Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to connect Halwani, Bhawali, Garampani, Ranikhet, Almohra, Kafada, Dwarhaat, Chaukhutiya, Pandukholi, Gairsain to Karnaprayag.

एडवोकेट अजय भट्ट (नैनीताल-ऊधमसिंह नगर) : माननीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया है ।

मान्यवर, मैं भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि पहली बार ऑल वेदर रोड आई है और उसकी शुरुआत उत्तराखंड राज्य से हुई है । इसमें चार धाम जाने के लिए दो मार्ग हैं । एक मार्ग तो वाया हरिद्वार है और दूसरा मार्ग वाया हल्द्वानी है । ऋषिकेश-हरिद्वार से तो सड़क बहुत तेजी से बन रही है, परंतु अभी तक हल्द्वानी से सड़क नहीं बन पाई है । चाहे उसको गलती कहिए या कोई और कारण हो, वह रोड बनने से छूट गई है ।

नेपाल, पूरे कुमाऊं रीज़न और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बहुत बड़े भू-भाग के लोग यहां से चार धाम की यात्रा पर जाते हैं । अगर यह सड़क बन गई, तो कर्णप्रयाग के लिए ऋषिकेश से जो सड़क आ रही है, इन दोनों का मिलन हो जाएगा । इनका मिलन होने के बाद इस बहुत बड़े भू-भाग से जाने वाले लोग जो कि कभी पैदल जाते थे और वे चार धाम की यात्रा चार से छः महीनों में पूरी करते थे, तब वे आसानी से जा पाएंगे । मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि हल्द्वानी से भवाली, गरमपानी, रानीखेत, अल्मोड़ा, कफाड़ा, द्वारहाट, चौखुटिया के बाद पांडुखोली और हमारी जो नई राजधानी बनने जा रही है, उस राजधानी से होते हुए कर्णप्रयाग से मिलान कर दिया जाए । इससे हमारा बहुत बड़ा भाग आच्छादित होगा । इससे बहुत बड़ा लाभ होगा । वे लोग जो चारधाम जाने से वंचित हैं, उनको इससे एक अच्छा अवसर मिल जाएगा । आपने मुझे बोलने के लिए अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद ।